लुप्तप्राय भाषाओं में कविता परियोजना

जैसा कि आप जानते हैं कि हर दो सप्ताह में एक भाषा लुप्त हो रही है। दुनिया में बोली जाने वाली 7,000 भाषाओं में से आधे से अधिक लुप्तप्राय भाषाएं हैं। शताब्दी के अंत तक दुनिया की वर्तमान भाषाओं में से आधी भाषाएं लुप्त हो जाएंगी, जिसका अर्थ यह भी है कि अद्वितीय काव्य परंपराओं का नुकसान ।

राष्ट्रीय कविता पुस्तकालय साउथबैंक सेंटर (South Bank Centre) और एसओएएस (SOAS) वर्ल्ड लैंग्वेज इंस्टीट्यूट, लंदन का मानना है कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए इस काव्य परंपरा तथा काव्यात्मक गतिविधि पर प्रयास आवश्यक है, इसी कारणवश उन्होंने लुप्तप्राय भाषाएं कविता परियोजना की शुरुआत की है।

क्या आप लुप्तप्राय भाषा में एक कविता जानते हैं? यदि ऐसा है तो वे आपसे सुनना चाहते हैं! जनता द्वारा प्रस्तुत कविताओं के माध्यम से हम कविताओं के संग्रह का पुस्तकालय बनाएंगे । ऐसी लुप्तप्राय भाषाओं में कविताएं पढ़ने में रुचि रखने वालों के लिए एक संसाधन उपलब्ध कराएंगे ।

आप कैसे मदद कर सकते हैं?

यदि आप लुप्तप्राय भाषा में एक कविता जानते हैं तो आप इसे साउथबैंक सेंटर की वेबसाइट https://www.southbankcentre.co.uk/blog/endangered-poetry-project पर फ़ॉर्म के माध्यम से पुस्तकालय में जमा कर सकते हैं।